ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

MASTERS OF ARTS (HINDI) [MAHD]

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

[एम.ए.एच.डी]

Mission and Objectives

- Preservation and promotion of National Linguistic interests nationwide and to instill human values inherent in its literature
- To promote eminent Hindi Scholars and encourage them to write and translate relevant works in Hindi
- To guide and assist students in the pursuit of knowledge in various disciplines of Indian National Language and Literature
- To awaken student about their rich cultural, moral, literary and scientific heritage and to spur them to make their own
- Contribute to the enhancement of awareness of Indian Culture and Hindi Literature

Prospective Target group of learner's

- Learners interested in Hindi Language and have a keen interest in its literature and development
- Learners who want to explore employment opportunities like in the academic field, and want to contribute to its research, and cooperate in its development and extension

Learning Outcome

- After completing the course, a learner will have an advanced understanding of Hindi Literature and Language
- After completing the course, a learner will be able to write articles as well as acquire the mastery in oratory, and studies in Hindi language
- After completing the course, a learner can undertake research work for higher degree programs in Hindi
- The learners can pursue a career in both public and private sectors such as government departments and agencies, health sectors, travel and tourism sector, journalism and mass communication, media and advertising, interpreting and translation services, market research and public relation companies

Curriculum design

The Masters Degree Programme, spread over four semesters, besides providing the skill component attempts to provide the learners a deeper and broader understanding of Hindi as a subject. It attempts to enhance their research ability to add new thinking and concept into its body of knowledge.

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

[एम.ए.एच.डी]

एम.ए (हिंदी) : कुल क्रेडिट-64

(पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण)

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम (32 क्रेडिट)

Semester-I — 16 क्रेडिट

पाठ्यक्रम-कोड	शीर्षक	क्रेडिट
एम.एचडी-2	आधुनिक हिंदी कविता	8
एम.एचडी-3	उपन्यास एवं कहानी	8

Semester-II — 16 क्रेडिट

पाठ्यक्रम कोड	शीर्षक	क्रेडिट
एम.एचडी-4	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	8
एम.एचडी-6	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	8

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम (32 क्रेडिट)

Semester-III अनिवार्य पाठ्यक्रम — 16 क्रेडिट

पाठ्यक्रम कोड	शीर्षक	क्रेडिट
एम.एचडी-1	हिंदी काव्य-1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य, एवं रीति काव्य)	4
एम.एचडी-5	साहित्य, सिद्धांत और समालोचना	8
एम.एचडी-7	भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा	4

Semester-IV वैकल्पिक पाठ्यक्रम — 16 क्रेडिट

उपन्यास विशेष अध्ययन

पाठ्यक्रम कोड	शीर्षक	क्रेडिट
एम.एचडी-13	उपन्यास- स्वरूप और विकास	4
एम.एचडी-14	हिंदी उपन्यास-1 (प्रेमचंद - विशेष अध्ययन)	4
एम.एचडी-15	हिंदी उपन्यास-2	4
एम.एचडी-16	भारतीय उपन्यास	4

एम.ए (हिंदी) [एम.ए.एच.डी]

(सम्पूर्ण पाठ्यक्रम)

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम (Semester-I&II): 32 क्रेडिट

एम.एचडी-02 आधुनिक हिंदी काव्य — 8 क्रेडिट

खंड-1 नवजागरण काव्य

इकाई-1 भारतेंदु हरिश्चंद्र का काव्य
इकाई-2 मैथिलीशरण गुप्त का काव्य
इकाई-3 भारतेंदु हरिश्चंद्र और मैथिलीशरण गुप्त की काव्यभाषा और शिल्प

खंड -2 छायावादी काव्य- (एक)

इकाई-4 जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय चेतना की विशिष्टता और आधुनिक भावबोध
इकाई-5 जयशंकर प्रसाद की भाषा और काव्य-शिल्प
इकाई-6 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य का वैचारिक आधार
इकाई-7 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य में प्रयोगशीलता की दिशाएँ
इकाई-8 'राम की शक्तिपूजा' : एक पाठावलोकन

खंड -3 छायावादी काव्य (दो) तथा छायावादोत्तर काव्य

इकाई-9 महादेवी वर्मा की काव्य-सम्वेदना
इकाई-10 महादेवी वर्मा की प्रतीक योजना
इकाई-11 सुमित्रानंदन पंत की काव्य-यात्रा के विविध चरण
इकाई-12 सुमित्रानंदन पंत का काव्य-शिल्प : भाषा और शैली
इकाई-13 दिनकर के काव्य की अंतर्धाराएँ

खंड -4 प्रगतिशील काव्य

इकाई-14 नागार्जुन के काव्य में सम्वेदना के रूप
इकाई-15 नागार्जुन के काव्य का रचना विधान
इकाई-16 मुक्तिबोध का जीवन-दर्शन और उनकी काव्य-दृष्टि
इकाई-17 मुक्तिबोध का काव्य-शिल्प : फैंटेसी के संदर्भ में
इकाई-18 'अंधेरे में' कविता का विश्लेषण
इकाई-19 धूमिल

खंड -5 नई कविता-1

इकाई-20 अज्ञेय के काव्य में आधुनिक भावबोध
इकाई-21 अज्ञेय : काव्य-भाषा और काव्य-शिल्प
इकाई-22 शमशेर की विचार-भूमि
इकाई-23 शमशेर का काव्य : संवेदना और शिल्प

खंड -6 नई कविता-2

इकाई-24 अपने समय के आर-पार देखता कवि : रघुवीर सहाय
इकाई-25 रघुवीर सहाय का काव्यशिल्प
इकाई-26 श्रीकांत वर्मा और उनकी कविता

आधुनिक काव्य विविधा (कवि परिचय और कविताओं का संग्रह)

[इस पाठ्यक्रम में आधुनिक काल के कवियों और उनकी कविताओं का अध्ययन किया गया है। इस पाठ्यक्रम में शामिल सभी कवियों पर निबंधात्मक,टिप्पणीपरक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाठ्यक्रम में शामिल कवि हैं : भारतेंदु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, गजानन माधव मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, श्रीकांत वर्मा एवं धूमिल।]

निम्नलिखित कविताओं से भी निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न पूछे जाएंगे :

कामायनी (जयशंकर प्रसाद), राम की शक्तिपूजा (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'), परिवर्तन (सुमित्रानंदन पंत), असाध्य वीणा (अज्ञेय), अंधेरे में (मुक्तिबोध), आत्महत्या के विरुद्ध (रघुवीर सहाय), पटकथा (धूमिल) ।

आधुनिक काव्य विविधा में संकलित निम्नलिखित कविताओं से व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे :

क्रम संख्या	कवि का नाम	कविताएँ
1.	मैथिलीशरण गुप्त	भारत भारती (काव्यांश), साकेत (नवम सर्ग-काव्यांश)
2.	जयशंकर प्रसाद	आँसू (काव्यांश)
3.	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला	जूही की कली, बादल राग (6), राजे ने अपनी रखवाली की, बाँधो ने नाव इस ठाँव बंधु
4.	सुमित्रानंदन पंत	प्रथम रश्मि, भारत माता
5.	महादेवी वर्मा	जो तुम आ जाते एक बार, मैं नीर भरी दु:ख की बदली
6.	नागार्जुन	कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक
7.	अज्ञेय	यह दीप अकेला, कलगी बाजेर की, हरी घास पर क्षण भर, कितनी नावों में कितनी बार
8.	शमशेर बहादुर सिंह	उषा, एक पीली शाम
9.	मुक्तिबोध	अंधेरे में (भाग-1 और 2),
10.	रघुवीर सहाय	अंधी पिस्तौल, पैदल आदमी, रामदास, हँसो-हँसो, जल्दी हँसो
11.	श्रीकांत वर्मा	बूढ़ा पुल, माया-दर्पण, मगध के लोग, तीसरा रास्ता
12.	धूमिल	नक्सलबाड़ी, कविता, अकाल दर्शन, रोटी और संसद

विशेष : 'आधुनिक काव्य विविधा' में शामिल शेष सभी कविताएँ विस्तृत अध्ययन और कवि की काव्यगत विशेषताओं को समझने के लिए उपयोगी हैं; परंतु इन कविताओं से निबंधात्मक, टिप्पणीपरक और व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

एम.एचडी-03 : उपन्यास एवं कहानी — 8 क्रेडिट

खंड -1 'गोदान' प्रेमचंद

इकाई-1 किसान जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'गोदान'

इकाई-2 राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में 'गोदान'

इकाई-3 'गोदान' में नारी-चरित्र

खंड -2 'धरती धन न अपना' और 'सूखा बरगद'

इकाई-4 'धरती धन न अपना' : दलित जीवन की त्रासदी के संदर्भ में

इकाई-5 'धरती धन न अपना' : चित्रांकन और आंचलिक पहलू

इकाई-6 'सूखा बरगद' : मध्यवर्गीय मुस्लिम समाज की मानसिकता

इकाई-7 'सूखा बरगद' : अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षा की भावना

खंड -3 'मैला आंचल' और 'बाणभट्ट की आत्मकथा'

इकाई-8 'मैला आंचल' और आंचलिक उपन्यास की अवधारणा

इकाई-9 'मैला आंचल' में सामाजिक व राजनीतिक संदर्भ

इकाई-10 'मैला आंचल' भाषा और शिल्प

इकाई-11 'बाणभट्ट की आत्मकथा' : भारतीय जीवन-दृष्टि

इकाई-12 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का शिल्प

इकाई-13 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की प्रासंगिकता

खंड -4 कहानी-1

इकाई-14 'ठाकुर का कुआँ' : प्रेमचंद

इकाई-15 'पुरस्कार' : जयशंकर प्रसाद

इकाई-16 'कुत्ते की पूँछ' : यशपाल

इकाई-17 'पाजेब' : जैनेंद्र कुमार

इकाई-18 'रोज़': अज्ञेय

खंड -5 कहानी-२ समकालीन कहानी

इकाई-19 'पिता' : ज्ञानरंजन

इकाई-20 'तिरिछ' ; उदय प्रकाश

इकाई-21 'त्रिशंकु' : मन्नू भंडारी

खंड -6 कहानी-३ नई कहानी

इकाई-22 'चीफ़ की दावत' : भीष्म साहनी

इकाई-23 'कर्मनाशा की हार' : शिव प्रसाद सिंह

इकाई-24 'भोलाराम का जीव' : हरिशंकर परसाई

इकाई-25 'एक दिन का मेहमान': निर्मल वर्मा

इकाई-26 'सिक्का बदल गया': कृष्णा सोबती

इकाई-27 'यह अंत नहीं' : ओम प्रकाश वाल्मीकि

हिंदी कहानी विविधा (लेखक परिचय और कहानियों का संग्रह)

एम.एचडी-04 नाटक और अन्य गद्य विधाएँ — 8 क्रेडिट

खंड -1 हिंदी नाटक और रंगमंच-1

इकाई-1 भारतेंदु की नाट्य-दृष्टि और 'अंधेर नगरी'

इकाई-2 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'अंधेर नगरी'

इकाई-3 'अंधेर नगरी' का नाट्य-शिल्प

इकाई-4 जयशंकर प्रसाद की नाट्य-दृष्टि और 'स्कंदगुप्त'

इकाई-5 'स्कंदगुप्त' में इतिहास-दृष्टि और राष्ट्रीय चेतना

इकाई-6 'स्कंदगुप्त' की रंगमंचीय सम्भावनाएँ

खंड -2 हिंदी नाटक और रंगमंच-2

इकाई-7 मोहन राकेश की नाट्य-दृष्टि

इकाई-8 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'आधे-अधूरे'

इकाई-9 'आधे-अधूरे' का नाट्य-शिल्प

इकाई-10 'अंधायुग': मिथकीय आख्यान का पुन:सृजन

इकाई-11 'अंधायुग' में चरित्र सृष्टि

इकाई-12 'अंधायुग' का नाट्य-शिल्प

खंड -3 एकांकी एवं नुक्कड़ नाटक

इकाई-13 एकांकी नाटक : 'ताम्बे के कीड़े'

इकाई-14 नुक्कड़ नाटक : 'औरत' (सफ़दर हाशमी)

खंड -4 गद्य-साहित्य की अन्य विधाएँ-1

इकाई-15 निबंध 'धोखा' (प्रतापनारायण मिश्र)

इकाई-16 निबंध 'लोभ और प्रीति' (रामचंद्र शुक्ल)

इकाई-17 निबंध 'कुटज' (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

इकाई-18 निबंध : 'संस्कृति और जातीयता' (रामविलास शर्मा)

इकाई-19 निबंध : 'तीसरे दर्जे का श्रद्धेय' (हरिशंकर परसाई)

खंड -5 गद्य-साहित्य की अन्य विधाएँ-2

इकाई-20 रेखाचित्र : 'ठकुरी बाबा' (महादेवी वर्मा)

इकाई-21 संस्मरण : 'वसंत का अग्रदूत' (अज्ञेय)

इकाई-22 जीवनी : 'कलम का सिपाही' (अमृतराय)

इकाई-23 आत्मकथा : 'क्या भूलूँ और क्या याद करूँ' (हरिवंशराय बच्चन)

खंड -6 गद्य-साहित्य की अन्य विधाएँ-3

इकाई-24 यात्रा-वृत्तांत : 'किन्नर देश की ओर' (राहुल सांकृत्यायन)

इकाई-25 रिपोर्ताज : 'अदम्य जीवन' (रांगेय राघव)

इकाई-26 साक्षात्कार : ऑक्टोवियो पॉज़ (श्रीकांत वर्मा)

हिंदी गद्य विविधा (लेखक परिचय और रचनाओं का संग्रह)

एम.एचडी-06 हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास — 8 क्रेडिट

खंड -1 हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल

इकाई-1 काल विभाजन और नामकरण

इकाई-2 आदिकाल की पृष्ठभूमि

इकाई-3 सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य

इकाई-4 रासोकाव्य एवं लौकिक साहित्य

खंड -2 भक्तिकालीन साहित्य

इकाई-5 भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

इकाई-6 निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा

इकाई-7 निर्गुण प्रेममार्गी सूफ़ी काव्यधारा

इकाई-8 कृष्णभक्ति काव्य

इकाई-9 रामभक्ति काव्य

खंड -3 रीतिकालीन साहित्य

इकाई-10 रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार

इकाई-11 रीतिकालीन कविता का स्वरूप

खंड -4 आधुनिक हिंदी साहित्य-1

इकाई-12 आधुनिक काल के साहित्य की पृष्ठभूमि

इकाई-13 भारतेंदु युग

इकाई-14 द्विवेदी युग

इकाई-15 छायावाद

खंड -5 आधुनिक हिंदी साहित्य-2

इकाई-16 उत्तर-छायावादी कविता

इकाई-17 प्रगतिशील साहित्य

इकाई-18 प्रयोगवाद और नई कविता

इकाई-19 समकालीन कविता

खंड -6 आधुनिक हिंदी गद्य-साहित्य

इकाई-20 हिंदी कथा-साहित्य

इकाई-21 हिंदी नाट्य-साहित्य

इकाई-22 हिंदी आलोचना

इकाई-23 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई-24 उर्दू साहित्य का परिचय

खंड -7 भारतीय आर्य भाषाएँ

इकाई-25 विश्व की भाषाएँ और भारतीय भाषा परिवार

इकाई-26 भारोपीय परिवार और भारतीय आर्यभाषाएँ

इकाई-27 संस्कृत से अपभ्रंश तक

इकाई-28 आधुनिक आर्यभाषाएँ और हिंदी

खंड -8 हिंदी भाषा का विकास

इकाई-29 हिंदी भाषा का प्रारम्भिक विकास

इकाई-30 आधुनिक युग में हिंदी भाषा का विकास

इकाई-31 हिंदी के बढ़ते चरण

इकाई-32 देवनागरी लिपि का विकास

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम (Semester-III &IV) : 32 क्रेडिट

एम.एचडी-01 हिंदी काव्य-1 (आदिकाव्य, भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य) 4 क्रेडिट

खंड -1 आदिकाव्य

इकाई-1 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता, भाषा और काव्य-रूप

इकाई-2 'पृथ्वीराज रासो' का काव्यत्व

इकाई-3 विद्यापति और उनका युग

इकाई-4 गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली

खंड -2 भक्तिकाव्य-1 (निर्गुण काव्य)

इकाई-5 कबीर की विचार-चेतना और प्रासंगिकता
इकाई-6 कबीर का काव्यशिल्प
इकाई-7 सूफ़ी मत और जायसी का 'पद्मावत'
इकाई-8 'पद्मावत' में लोक-परम्परा और लोक-जीवन

खंड -3 भक्तिकाव्य-2 (सगुण काव्य)

इकाई-9 भक्ति आंदोलन के संदर्भ में सूर-काव्य का महत्व
इकाई-10 सूरदास के काव्य में प्रेम
इकाई-11 मीरा का काव्य और समाज
इकाई-12 मीरा का काव्य-सौंदर्य
इकाई-13 तुलसी के काव्य में युग-संदर्भ
इकाई-14 एक कवि के रूप में तुलसीदास

खंड -4 रीतिकाव्य

इकाई-15 बिहारी के काव्य का महत्व
इकाई-16 घनानंद के काव्य में स्वच्छंद चेतना
इकाई-17 पद्माकर की कविता

हिंदी काव्य विविधा (कवि परिचय और काव्य-संग्रह)

एम.एचडी-05 साहित्य, सिद्धांत और समालोचना — 8 क्रेडिट

खंड -1 साहित्य की अवधारणा

इकाई-1 काव्य-लक्षण अथवा काव्य की परिभाषा
इकाई-2 काव्य-प्रेरणा और काव्य-हेतु
इकाई-3 काव्य-प्रयोजन
इकाई-4 शब्द-शक्ति विवेचन

खंड -2 भारतीय काव्य-शास्त्र : विकास के चरण

इकाई-5 भारतीय काव्य-शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय-1
इकाई-6 भारतीय काव्य-शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय-2

खंड -3 रस चिंतन के विविध आयाम

इकाई-7 रस की परिभाषा, स्वरूप और रस-निष्पत्ति
इकाई-8 साधारणीकरण
इकाई-9 काव्य का अधिकारी

खंड -4 पाश्चात्य काव्यशास्त्र-1

इकाई-10 प्लेटो का काव्य-चिंतन
इकाई-11 अरस्तु का साहित्य चिंतन
इकाई-12 लाँजाइन्स : उदात्त की अवधारणा
इकाई-13 जॉन ड्राइडन : युग-परिवेश और आलोचना-सिद्धांत
इकाई-14 स्वच्छंदतावादी काव्य-चिंतन :वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज़
इकाई-15 मैथ्यू ऑर्नल्ड : कला और नैतिकता

खंड -5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र-2

इकाई-16 क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद

इकाई-17 टी.एस.इलियट का साहित्य चिंतन

इकाई-18 आइ.ए. रिचर्डस का साहित्य चिंतन

इकाई-19 नई समीक्षा (न्यू क्रिटिसिज़्म) के प्रमुख सिद्धांत

खंड -6 साहित्य-सिद्धांत और विचारधाराएँ

इकाई-20 आभिजात्यवाद एवं स्वच्छंदतावाद

इकाई-21 मनोविश्लेषणवादी आलोचना

इकाई-22 मार्क्सवादी आलोचना

इकाई-23 साहित्य चिंतन के विविध वाद

इकाई-24 साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ

इकाई-25 अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकता

खंड -07 हिंदी आलोचना

इकाई-26 साहित्य की आधुनिक अवधारणा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई-27 शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना

इकाई-28 हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और डॉ.रामविलास शर्मा

इकाई-29 साहित्य की विधाएँ

एम.एचडी-07 भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा — 4 क्रेडिट

खंड -1 भाषाविज्ञान

इकाई-1 भाषा और सम्प्रेषण

इकाई-2 भारत में भाषा-चिंतन

इकाई-3 भाषा-विज्ञान की पाश्चात्य परम्परा

इकाई-4 संरचनात्मक भाषा-विज्ञान

इकाई-5 चॉम्स्की तथा रूपांतरण-निष्पादन व्याकरण

इकाई-6 समाज भाषाविज्ञान : भाषा और समाज

इकाई-7 हिंदी भाषा-क्षेत्र

खंड -2 हिंदी संरचना

इकाई-8 ध्वनि संरचना

इकाई-9 रूप, शब्द और पद

इकाई-10 वाक्य संरचना-I

इकाई-11 वाक्य संरचना-II

इकाई-12 अर्थ संरचना

इकाई-13 प्रोक्ति विश्लेषण

खंड -3 अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

इकाई-14 मनोभाषा विज्ञान

इकाई-15 भाषा-शिक्षण- 1

इकाई-16 भाषा-शिक्षण- 2

इकाई-17 अनुवाद

इकाई-18 भाषा-तुलना

इकाई-19 शैली-विज्ञान

इकाई-20 कोश-विज्ञान

'उपन्यास : विशेष अध्ययन' सम्बंधित पाठ्यक्रम

एम.एचडी-13 उपन्यास : स्वरूप और विकास 4 क्रेडिट

पाठ्यक्रम में उपन्यास स्वरूप और विकास, उसकी वस्तु और शिल्प आदि पर विचार होगा। साथ ही विश्व साहित्य में उपन्यास के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया जाएगा। भारतीय साहित्य और हिंदी साहित्य में उपन्यासों के विकास पर भी विचार होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को कुल पाँच खंडों में सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

खंड -1 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप-1

इकाई-1 आख्यान के विभिन्न रूप और उपन्यास

इकाई-2 उपन्यास का अर्थ और स्वरूप

इकाई-3 उपन्यास का उदय और उसके कारण

इकाई-4 उपन्यास और अन्य विधाएँ

खंड -2 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप-2

इकाई-1 उपन्यास : वस्तु और शिल्प

इकाई-2 उपन्यास की भाषिक संरचना

इकाई-3 उपन्यास : वर्गीकरण और उसके विभिन्न आधार

इकाई-4 उपन्यास की आलोचना-दृष्टियाँ

खंड -3 विश्व साहित्य में उपन्यास

इकाई-1 विश्व साहित्य में उपन्यास का उदय

इकाई-2 उन्नीसवीं सदी के युरोपीय उपन्यास- 1

इकाई-3 उन्नीसवीं सदी के युरोपीय उपन्यास- 2

इकाई-4 बीसवीं सदी के उपन्यास

खंड -4 भारतीय साहित्य में उपन्यास

इकाई-1 भारतीय उपन्यास कीअवधारणा

इकाई-2 नवजागरण और भारतीय उपन्यास

इकाई-3 राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय उपन्यास

इकाई-4 स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यास

खंड -5 हिंदी साहित्य में उपन्यास

इकाई-1 नवजागरण और हिंदी उपन्यास का उदय

इकाई-2 राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और हिंदी उपन्यास

इकाई-3 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास

इकाई-4 हिंदी उपन्यास : आलोचना का विकास

एम.एचडी-14 हिंदी उपन्यास-1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन) 4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के कुछ प्रमुख उपन्यासों जैसे सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि और ग़बन पर विस्तार से विचार होगा। प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का भी परिचय दिया जाएगा। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित उक्त उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन करना होगा। साथ ही उपन्यास के प्रमुख अंशों की व्याख्या भी करनी होगी।

खंड -1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई-1 प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन-दृष्टि

इकाई-2 प्रेमचंद का साहित्य

इकाई-3 प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ

इकाई-4 प्रेमचंद के उपन्यास और हिंदी आलोचना

खंड -2 सेवासदन

इकाई-5 'सेवासदन' : अंतर्वस्तु का विश्लेषण

इकाई-6 'सेवासदन': शिल्प-संरचना (औपन्यासिक शिल्प)

इकाई-7 'सेवासदन' की नायिका (सुमन)

खंड -3 प्रेमाश्रम

इकाई-8 'प्रेमाश्रम' और कृषि-समस्या

इकाई-9 'प्रेमाश्रम' युगीन भारतीय समाज और प्रेमचंद

इकाई-10 'प्रेमाश्रम' का औपन्यासिक शिल्प

इकाई-11 ज्ञानशंकर का चरित्र

खंड -4 रंगभूमि

इकाई-12 'रंगभूमि' और औद्योगिकीकरण की समस्या

इकाई-13 'रंगभूमि' पर स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद का प्रभाव

इकाई-14 'रंगभूमि' का औपन्यासिक शिल्प

इकाई-15 सूरदास का चरित्र

खंड -5 'ग़बन'

इकाई-16 'ग़बन' और राष्ट्रीय आंदोलन

इकाई-17 'ग़बन' और मध्यवर्गीय समाज

इकाई-18 'ग़बन' का औपन्यासिक शिल्प

एम.एचडी-15 हिंदी उपन्यास-2 — 4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में हिंदी के कुछ प्रसिद्ध उपन्यासों जैसे झूठा सच, ज़िंदगीनामा, सूरज का सातवाँ घोड़ा और राग दरबारी का आलोचनात्मक अध्ययन करवाया जाएगा। साथ ही उपन्यास के प्रमुख अंशों की व्याख्या भी करनी होगी।

खंड -1 झूठा सच

इकाई-1 यशपाल का उपन्यास साहित्य और 'झूठा सच'

इकाई-2 देश का विभाजन और 'झूठा सच'

इकाई-3 देश का भविष्य और 'झूठा सच'

इकाई-4 औपन्यासिक महाकाव्य के रूप में 'झूठा सच'

खंड -2 ज़िंदगीनामा

इकाई-5 कृष्णा सोबती का कथा-साहित्य और 'ज़िंदगीनामा'

इकाई-6 'ज़िंदगीनामा' उपन्यास की अंतर्वस्तु और कथा-शिल्प

इकाई-7 'ज़िंदगीनामा' : प्रमुख पात्र एवं चरित्र चित्रण

इकाई-8 'ज़िंदगीनामा' : परिवेश और भाषा

खंड -3 सूरज का सातवाँ घोड़ा

इकाई-9 धर्मवीर भारती का कथा-साहित्य और 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

इकाई-10 औपन्यासिक शिल्प : 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

इकाई-11 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' : चरित्र-सृष्टि

इकाई-12 भारती की लेखकीय दृष्टि

खंड -4 राग दरबारी

इकाई-13 स्वातंत्र्योत्तर भारत और 'राग दरबारी'

इकाई-14 'राग दरबारी' में व्यंग्य

इकाई-15 'राग दरबारी' की अंतर्वस्तु, संरचना-शिल्प और उसकी भाषा

इकाई-16 'राग दरबारी' के पात्र

एम.एचडी-16 भारतीय उपन्यास — 4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं के चार प्रमुख उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा। उपन्यासों की अंतर्वस्तु, भाषा और शिल्प सहित विभिन्न पक्षों पर आलोचनात्मक सामग्री विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जाएगी।

खंड -1 चेम्मीन (मलयालम)

इकाई-1 तकषि शिवशंकर पिल्लै : व्यक्तित्व और कृतित्व

इकाई-2 'चेम्मीन': युग परिवेश

इकाई-3 'चेम्मीन' : विषयवस्तु, कथानक एवं पात्रसृष्टि

इकाई-4 'चेम्मीन' में कथन-तंत्र : मिथ एवं भाषा का प्रयोग

इकाई-5 'चेम्मीन' का मूल्यांकन

खंड -2 संस्कार (कन्नड़)

इकाई-6 अनंतमूर्ति का लेखकीय परिवेश

इकाई-7 'संस्कार' की सामाजिक चेतना

इकाई-8 'संस्कार' : पात्र-योजना

इकाई-9 'संस्कार' : एक मूल्यांकन

खंड -3 मानवीनी भवाई (गुजराती)

इकाई-10 पन्नालाल पटेल का जीवन परिचय और कृतित्व

इकाई-11 पन्नालाल पटेल का युग संदर्भ

इकाई-12 'मानवीनी भवाई' की कथावस्तु और विशेषताएँ

इकाई-13 'मानवीनी भवाई' का मूल्यांकन

इकाई-14 पन्नालाल पटेल की रचनाशीलता

खंड -4 जंगल के दावेदार (बांगला)

इकाई-15 महाश्वेता देवी : व्यक्तित्व और कृतित्व

इकाई-16 बांगला उपन्यास साहित्य और महाश्वेता देवी

इकाई-17 'जंगल के दावेदार' : सामाजिक चेतना

इकाई-18 'जंगल के दावेदार' : कथानक एवं चरित्र

इकाई-19 'जंगल के दावेदार' : एक मूल्यांकन

अन्य सहायक ग्रंथ

विद्यार्थी इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तकों से भी लाभान्वित हो सकते हैं-

1. **आधुनिक काव्य विवेचना** (आलोचनापरक लेखों का संग्रह)
2. **हिंदी काव्य विवेचना** (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
3. **हिंदी गद्य विवेचना** (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
4. **हिंदी कहानी विवेचना** (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
5. **हिंदी उपन्यास विवेचना** (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
6. **भारतीय उपन्यास विवेचना** (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
7. **प्रेमचंद : विवेचना** (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
8. **उपन्यास-सिद्धांत-विवेचना** (आलोचनात्मक संग्रह)
9. **भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा विवेचना** (आलेख संग्रह)
10. **समालोचना से साक्षात्कार** (साहित्य-चिंतनपरक लेखों का संग्रह)
11. **हिंदी साहित्येतिहास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)**